

हृदल महासागर तल मानचलररुण ढर INCOIS का अधूयन

[सूरोत: द हृदु](#)

चरुा में कूूँ?

हृल ही में [भारतीय राष्ट्रूय महासागर सूचना सेवा केंद्र \(Indian National Centre For Ocean Information Services- INCOIS\)](#) के वैजुानकूँ ने समुदूरी धाराओं और गतशीलता की गहनता से जाँच करने के लूयि [हृदु महासागर](#) के तल के मानचलररुण ढर एक अधूयन कूयि ।

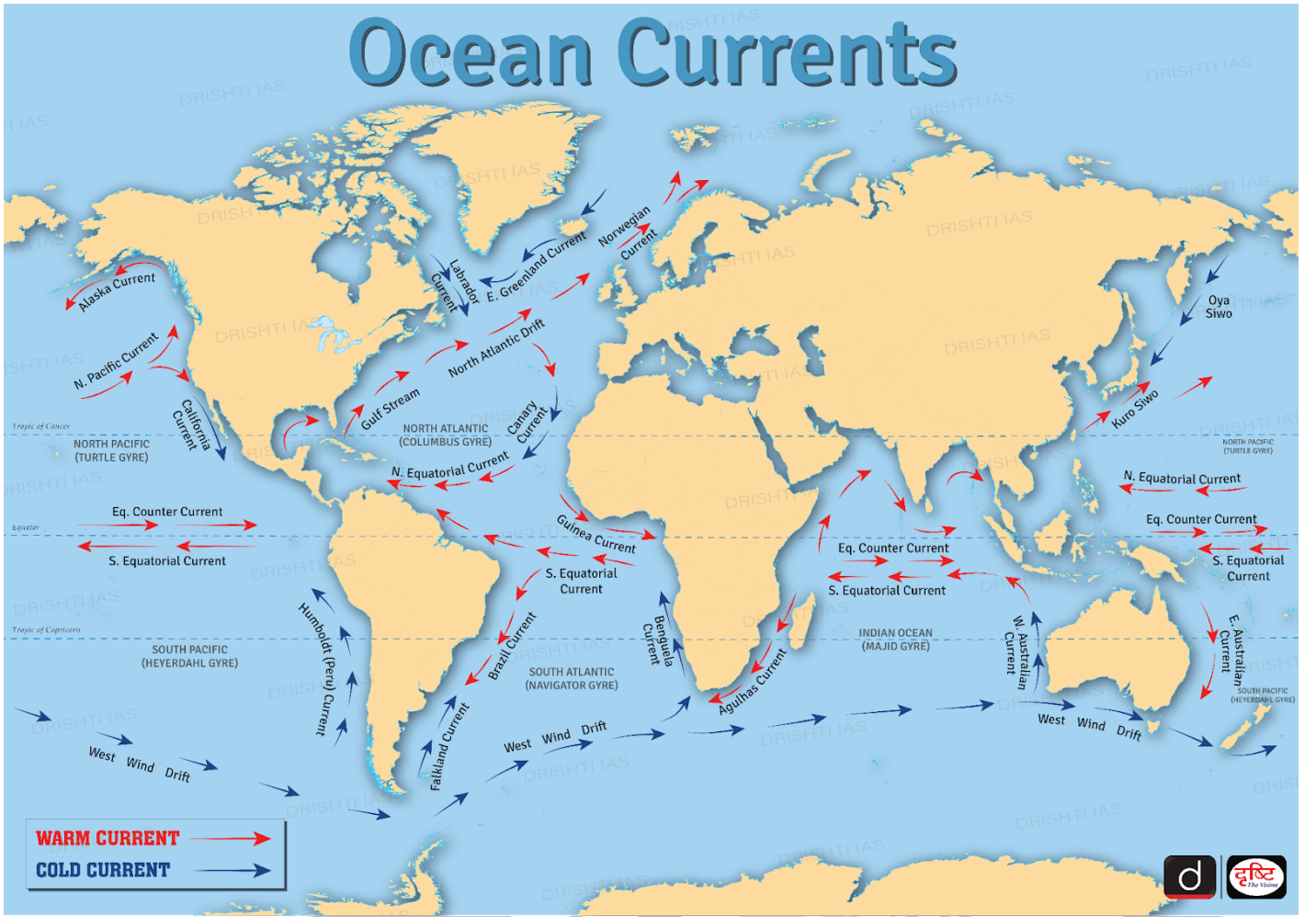
नोट:

- ESSO-INCOIS की स्थापना वर्ष 1999 में [पृथूवी वैजुान मंत्रालूय \(MoES\)](#) के अंतरगत एक स्वायत्त नकूय के रूप में की गई थी । यह पृथूवी ढरगाली वैजुान संगठन (ESSO) की एक इकाई है । यह हैदराबाद में स्थतूि है ।
- ESSO-INCOIS कूे इसके वूयवस्थतूि एवं नररतर समुदूरी अवलोकन तथा केंद्रतूि अनुसंधान के माधूयम से समाज, उदूयुग, सरकारी एजेंसूयूँ एवं वैजुानकूँ कूे सर्वोत्तम संभव समुदूरी सूचना तथा सलाहकार सेवाएँ ढरदान करने का दायतूव दूयि गया है ।

अधूयन के ढरमुख बदुि कूूा हैं?

- धाराओं ढर दूवीडूँ का ढरभाव:
 - अधूयन से ढता चलता है कूि [अंडमान और नकूेबार दूवीडूँ समूह, मालदूीव](#) के साथ, हृदु महासागर की धाराओं की दूशा एवं गतूि कूे महत्तूवढूरुण रूप से ढरभावतूि करते हैं, जसूिसे सतह की धाराओं के वढरूरीत गहरे घूमावदार ढैटर्न (भँवर) बनते हैं ।
- बेहतर बैथमूेटरूी (मैड के अंतरगत महासागरीय माडन):
 - वगूत महासागरीय माडन ढरगालूयूँ ने भारत के चारूँ ओर ढरई गई तूतीय धाराओं की लंबाई कूे कम करके आँका था ।
 - सटूीक महासागरीय माडन डेटा कूे शामिल करने से:
 - महासागर की लवणता, ताडमान तथा तट के नकूेड धाराओं का सटूीक ढूरवानुमान हूे सकेगा ।
 - अधकूि गहराई (1,000 और 2,000 मूेटर) ढर, [ढूरूवी भारतीय तूतीय धारा \(EICC\)](#) कूे सतही धाराओं के वढरूरीत बहतूी है, के ढरवाह का सटूीक अनुमान लगाया जा सकेगा ।
 - EICC [बंगाल की ख़ाडी](#) की ढश्चमी सीमा ढर स्थतूि तूतीय धारा है । यह एक शकूतशीली धारा है कूे कवरूष में दूे बार अपनी दूशा बदलतूी है, तथा इस कूषेतर के समुदूरी ढरसूंचरण में महत्तूवढूरुण भूमकूि नभूतूी है ।
 - ढरवरूी से सतूेबर तक EICC का सतही ढरवाह भारतीय तट के साथ-साथ उत्तर-ढूरूव की ओर हूेता है । अकतूूबर से जनवरी तक, यह ढरवाह दकूषणाभमूिख हूे जाता है तथा भारतीय व शूरीलंकाई दूनों तटूँ की ओर ढरवाहतूि हूेता है ।
 - अंडमान और नकूेबार दूवीडूँ समूह में समुदूर तट के नकूेड 2,000 मूेटर की गहराई ढर एक धारा की खूेज संभव हूई ।
 - भूमधूय रेखूीय अंतरधारा (EUC) ढर मालदूीव दूवीडूँ समूह के ढरभाव कूे समझना ।
 - EUC अटलानूकूि और ढरशांत महासागरूँ में ढूरूव की ओर बहने वाली एक स्थायी धारा है कूे वसंत एवं सरदूयूँ में ढूरूवोत्तर मानसून के दूरान हृदु महासागर में मूेजूद हूेतूी है ।
 - मालदूीव दूवीडूँ समूह की उपस्थतूि EUC के ढश्चमी की ओर के वसूतार कूे ढरभावतूि करतूी है, जसूीमें मूेसमूँ के बीच अंतराल और ढरभूषा में भनूनता हूेतूी है ।
- ढूरवानुमान के लूयि महत्तूव:
 - समुदूरी उदूयुग के लूयि सटूीक समुदूर वैजुान संबूधी ढूरवानुमान आवशूयक और इसके महत्तूवढूरुण आरूथकूि लाभ हैं ।
 - मूेसम, जलवायु और समुदूरी उदूयुग के लूयि सटूीक समुदूरी ढूरवानुमान महत्तूवढूरुण हैं । सटूीक भवषूयवाणूयूँ के लूयि बेहतर अवलोकन और मूेडल महत्तूवढूरुण हैं ।
- महासागरीय गतशीलता की समझ कूे वकूूसतूि करना:
 - अधूयन इस ढात ढर जूोर देता है कूि महासागरीय ढरसूंचरण के मूेडल में सटूीक ढाथमूेटरूी डेटा कूे शामिल करना कतूिना महत्तूवढूरुण है । यह भारतीय उपमहादूवीडूँ और आसढास के कूषेतरूँ के लूयि ढूरवानुमान नरूिधारतूि करने में सहायता करता है ।

Ocean Currents



//

बैथमिट्री क्या है?

- बैथमिट्री जल नकियों, जैसे; महासागरों, नदियों, झीलों और झरनों की जलमग्न स्थलाकृतिका अध्ययन एवं मानचित्रण है।
 - इसमें जल की गहराई को मापना शामिल है और यह भूमि के स्थलीय मानचित्रण के समान है।
 - बैथमिट्रिक मानचित्र में जल के भीतर के क्षेत्र के आकार और ऊँचाई को दर्शाने के लिये समोच्च रेखाओं का उपयोग किया जाता है।
- बैथमिट्री हाइड्रोग्राफी विज्ञान की नींव है, जो जल नकियाय की भौतिक विशेषताओं को मापता है।
 - हाइड्रोग्राफी में न केवल बैथमिट्री शामिल है, बल्कि तटरेखा का आकार और विशेषताएँ; ज्वार, धारा एवं लहरों की विशेषताएँ; तथा जल के भौतिक व रासायनिक गुण भी शामिल हैं।

और पढ़ें: [महासागरीय धाराएँ](#)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. संसार के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मत्स्यन क्षेत्र उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ (2013)

(a) कोष्ण तथा शीत वायुमण्डलीय धाराएँ मिलती हैं

- (b) नदरिँ सागरीँ में प्रचुर मात्रा में ताज़ा जल प्रवाहति करती हैं
(c) कोषण तथा शीत सागरीय धाराएँ मलिती हैं
(d) महादवीपीय शेलफ तरंगति है

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति कारकों पर वचिर कीजयि:

1. पृथ्वी का आवर्तन
2. वायु दाब और हवा
3. महासागरीय जल का घनत्व
4. पृथ्वी का परकिरण

उपर्युक्त में से कौन-से कारक महासागरीय धाराओं को प्रभावति करते हैं? (2012)

- (a) केवल 1 और 2
(b) 1, 2 और 3
(c) 1 और 4
(d) 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/incois-study-on-indian-ocean-floor-mapping>

